



## GENERAL STUDIES (Test-4)

निर्धारित समय: तीन घंटे  
Time allowed: Three Hours

DTVF/22 (O-A)-M-GSM (P-III)-2304

अधिकतम अंक: 250  
Maximum Marks: 250

Name: Nikaş Kumar Meena Mobile Number: \_\_\_\_\_

Medium (English/Hindi): Hindi Reg. Number: \_\_\_\_\_

Center & Date: Nehru Vihar, 11/07/23 UPSC Roll No. (If allotted): 0237686

### प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:  
इसमें बारह प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपे हैं।  
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।  
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।  
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।  
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

### QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:  
There are TWELVE questions printed both in HINDI and ENGLISH.

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्ता द्वारा भरा जाए (To be filled by Evaluator only)

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1 (a)		5 (b)	
1 (b)		6 (a)	
2 (a)		6 (b)	
2 (b)		7.	
3 (a)		8.	
3 (b)		9.	
3 (c)		10.	
4 (a)		11.	
4 (b)		12.	
5 (a)			
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्ता (हस्ताक्षर)

Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्ता (हस्ताक्षर)

Reviewer (Signature)

www.drishtias.com

Contact: 8750187501, 8448485517

## Feedback

- |   |  |
|---|--|
| 1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)      | 2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)     |
| 3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)  | 4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)                 |
| 5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता) | 6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता) |

## खंड - क/ SECTION - A

1. (a)

अभिरुचि क्या है? क्या आप मानते हैं कि यह रुचि, कौशल और बुद्धिमत्ता से भिन्न है?

(150 शब्द) 10

What is aptitude? Do you think that it is different from interest, skill and intelligence?

(150 Words) 10

अभिरुचि एक जन्मजात अभिलक्षण होता है, जिसके आधार पर व्यक्ति विशेष द्वारा किसी क्षेत्र, कार्य के प्रति सकारात्मक नजरिया उत्पन्न होता है।

→ चूंकि रुचि एक जन्मजात लक्षण है, जिसमें प्रयास के द्वारा वृद्धि की जा सकती है; परंतु उचित अभिरुचि से युक्त व्यक्ति उस क्षेत्र विशेष में परंगतता प्राप्त कर सकता है।

जैसे: र.आर. रहमान में संगीत के प्रति अभिरुचि के कारण, वे इतने उम्र गायक बन पाए।

→ दूसरी ओर कौशल एक अर्जित किया जाना वाला गुण है, जो जन्मजात नहीं होकर सीखा जाता है।

→ बुद्धिमत्ता भी व्यवहारिक एवं प्रयोगात्मक ज्ञान से प्राप्त की जा सकती है। वस्तुतः बुद्धिमत्ता प्राप्त करने हेतु समाज एवं संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। इसी आधार पर बुद्धिमत्ता का विकास एक चरणागत प्रक्रिया है।

वस्तुतः इस संदर्भों से प्रान्यत्सा है कि एक उचित अभिरुचि युक्त व्यक्ति में कौशल एवं बुद्धिमत्ता का गुण अपेक्षाकृत व्यावहारात्मक रूप में तीव्रता से विकसित होता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।  
(Candidate must not write on this margin)

(b) "आपकी अभिवृत्ति आपका कद निर्धारित करेगी, आपकी अभिरुचि नहीं"। आप इस उद्धरण से क्या समझते हैं? उदाहरण सहित अपने विचार स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10  
"It is an attitude, not aptitude, which determines one's altitude". What do you understand by the quotation? Explain your stand with illustrations. (150 Words) 10

→ चूंकि अभिवृत्ति एक सीखी जाने वाली अवधारणा है। यथा: अभिवृत्ति जन्मजात न होकर प्रयास और प्रयोगात्मक दृष्टिकोण से परिवर्तित की जा सकती है।

→ इसी आधार पर अभिवृत्ति किसी कार्य, व्यक्ति, वस्तु अथवा परिस्थिति के प्रति हमारे दृष्टिकोण को निर्धारित करती है।

→ हालांकि अभिरुचि का महत्व होता है कि किसी परिस्थिति, कार्य के प्रति व्यक्ति विशेष का लगाव है या नहीं।

इसी आधार पर अभिरुचि एक जन्मगत लक्षण ठहरता है, जिसे प्रयास द्वारा विकसित किया जा सकता है, पूर्णतः नहीं बदला जा सकता।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।  
(Candidate must not write on this margin)

उक्त अवधारणाओं के आधार पर  
अभिरुचि किसी व्यक्ति की क्षमताओं  
को प्रदर्शित करती है, जबकि अभिवृत्ति  
किसी परिस्थिति, कार्य या समाज के  
प्रति नजरिय को।

चूँकि किसी भी समाज या व्यवस्था में  
नजरिया महत्वपूर्ण होता है, इसी आधार  
पर नजरिया / अभिवृत्ति व्यक्ति के कद  
को निर्धारित करती है और अभिरुचि  
निहित क्षमताओं को।

जैसे: महात्मा गाँधी, स्वामी विवेकानंद

उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं लिखना  
चाहिये।  
(Candidate must not  
write on this margin)

2. (a)

“आचार संहिता” एवं “नीति संहिता” के बीच क्या अंतर है? प्रत्येक के महत्त्व और प्रासंगिकता को स्पष्ट करने के लिये उदाहरण प्रदान कीजिये।  
(150 शब्द) 10  
What is the distinction between a “code of conduct” and a “code of ethics”? Provide examples to illustrate the importance and relevance of each.  
(150 Words) 10

आचार संहिता से तात्पर्य एक ऐसे  
नियमों के समुच्चय से है, जो समय-काल  
सापेक्ष, ~~परिस्थिति~~ परिस्थिति अनुसार  
परिवर्तित हो सकते हैं। इसी आधार  
पर इनका स्वरूप पूर्णतः वस्तुनिष्ठ  
नहीं होता।

वहीं दूसरी ओर नीति संहिता  
समय-काल-परिस्थिति सापेक्ष न होकर  
एक वस्तुनिष्ठ नियमों का समुच्चय होता  
है, जो सर्वत्र, सभी परिस्थितियों में  
एक समान रहते हैं।

\* यथा चुनावों के समय आचार संहिता  
के नियमों में प्रचार-प्रसार इत्यादि  
की मनाही होती है, ताकि मतदाताओं  
को निष्पक्ष रखकर ~~सुझाव~~ <sup>मतदान</sup> हेतु सहज  
बनाया जा सके। व्यवस्था में सुधार

उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं लिखना  
चाहिये।  
(Candidate must not  
write on this margin)

सुमेखित करने हेतु आचार संहिता लागू की जाती है।

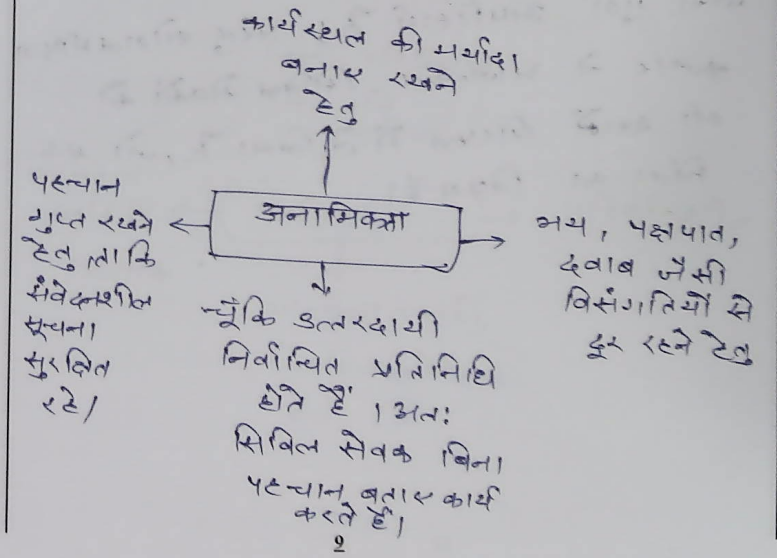
\* यथा अहिंसा, सत्यनिष्ठा इत्यादि नियमों का पालन करने के लिए एक नीति संहिता बनाई जाती है; ताकि नैतिक गुण संपूर्ण विश्व में समान बने रहें। इसी आधार पर "सत्यमेव जयते" जैसे पक्षों की प्रमाणिकता सिद्ध होती है।

वस्तुतः किसी व्यवस्था के उचित क्रियाकर्म हेतु जो नियम बनाए जाते हैं, वे आचार संहिता के अंदर आते हैं। ~~सर्वमौखिक~~ <sup>नैतिक</sup> नियम, जो प्रकृति में वस्तुनिष्ठ होते हैं; प्रायः नीति संहिता में आते हैं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।  
(Candidate must not write on this margin)

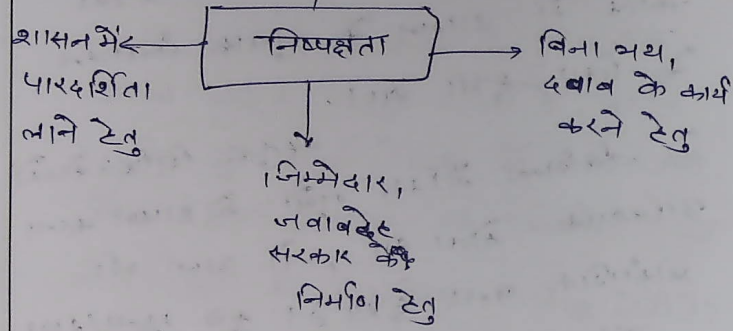
(b) अनामिकता और निष्पक्षता भारतीय लोक सेवा की मूलभूत विशेषताएँ हैं। विवेचना कीजिये।  
(150 शब्द) 10  
Anonymity and impartiality are the fundamental characteristics of the Indian Civil Service. Discuss.  
(150 Words) 10

भारतीय लोक सेवा का उदय ब्रिटिश काल में शासन के सुचारु संचालन के लिए हुआ था।  
वस्तुतः सिविल सेवकों को विभिन्न नैतिक गुणों को धारण करना आवश्यक होता था, जो आज भी प्रासंगिक बना हुआ है। कुछ मूल्य/गुण हैं: अनामिकता, निष्पक्षता, सत्यनिष्ठा



उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।  
(Candidate must not write on this margin)

किसी भी पक्ष / पूर्वाग्रह  
से मुक्त रहकर  
कार्य करने हेतु



उक्त आधारों पर निष्पक्षता एवं अनामिका  
जैसे गुण अपरिहार्य हैं; परंतु सोशल मीडिया  
कल्चर ने आज-कल सिविल सेवकों को  
भी इसमें गिरफ्त में ले लिया है, जो एक  
सिंहा का विषय है।

उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं लिखना  
चाहिये।  
(Candidate must not  
write on this margin)

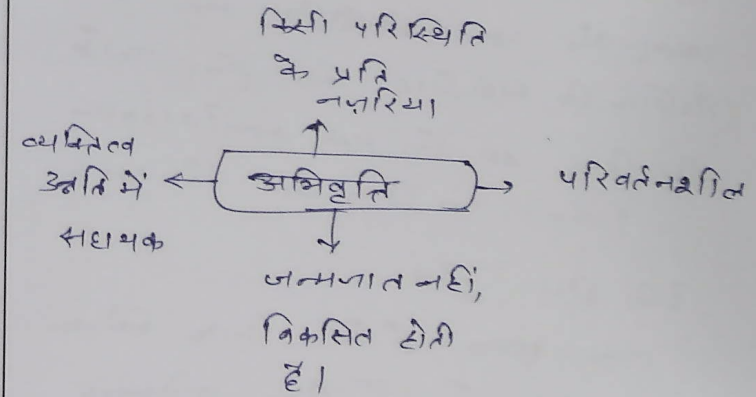
3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?

What does each of the following quotations mean to you?

- (a) "आप अक्सर अपनी अभिवृत्ति को परिवर्तित करके अपनी परिस्थितियों को बदल सकते हैं।"  
- एलेनोर रूजवैल्ट  
(150 शब्द) 10
- "You can often change your circumstances by changing your attitude." — Eleanor Roosevelt  
(150 Words) 10

अभिवृत्ति वस्तुतः किसी परिस्थिति के  
सम्बन्धित व्यक्ति विशेष के नज़रिये  
को प्रदर्शित करता है।

यह एक गुण है, जिसे प्रयास और  
निश्चयता से बदला जा सकता है।



उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं लिखना  
चाहिये।  
(Candidate must not  
write on this margin)

उत्तम आधार पर व्यक्ति की अभिवृत्ति परिवर्तित हो सकती है और सकारात्मक अभिवृत्ति व्यक्ति को पूर्णतः बदल देती है। फलस्वरूप व्यक्ति की परिस्थितियाँ भी बदल जाती हैं।

जैसे: आधुनिक समाज में रुढ़िवादी अभिवृत्तियों का खंडन और परिवर्तन हो रहा है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।  
(Candidate must not write on this margin)

- (b) "ज्ञान के बिना सत्यनिष्ठा कमजोर और व्यर्थ है परंतु सत्यनिष्ठा के बिना ज्ञान खतरनाक एवं भयानक है" - सैमुअल जॉन्सन  
(150 शब्द) 10
- "Integrity without knowledge is weak and useless, and knowledge without integrity is dangerous and dreadful." Samuel Johnson.  
(150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।  
(Candidate must not write on this margin)

सत्यनिष्ठा से आशय है "सत्य से किसी प्रकार का समझौता नहीं।" अर्थात् सत्य के मार्ग को कभी नहीं धोखा, चाहे परिस्थिति कोई भी हो।

परंतु सत्यनिष्ठा का गुण भी ज्ञान के साथैव है। यथा: एक अज्ञानी व्यक्ति सदैव किसी व्यवस्था के प्रति सत्यनिष्क रहेगा, तो वह उन परिस्थितियों का अंधानुकरण करेगा, जो उसे आदेशित की जाएंगी। व्यावहारिक रूप में वह सही और शक्ति में लगे नहीं कर पाएगा।

परंतु यदि कोई व्यक्ति ज्ञानी होने के साथ-साथ सत्यनिष्क नहीं है, तो वह समाज और व्यवस्था को गर्ह की भोर ले जा

सकता है।

मथा: अगर किसी व्यक्ति को सही और गलत का पता है; परंतु वही सत्यनिष्ठा नहीं है, तो वह जान बूझकर वही कार्य करेगा, जो अनैतिक होगा। इसी आधार पर अव्यवस्था उत्पन्न होगी।

उदा: उत्तरी कोरिया का ~~कि~~ तानाशाह किम जोंग उन

वस्तुतः इस आधार पर ज्ञान और सत्यनिष्ठा जैसे तत्वों का समन्वयात्मक रूप समाज की प्रगति में सहायक होगा, जो प्रत्येक राष्ट्र को अपेक्षित है।

उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं लिखना  
चाहिये।  
(Candidate must not  
write on this margin)

- (c) "मुझे केवल भावना की परवाह है - जब वह सही होगी, तो सब कुछ अपने आप सही हो जाएगा"। स्वामी विवेकानंद।  
(150 शब्द) 10  
"I care only for the spirit - when that is right, everything will be righted by itself."  
Swami Vivekanand.  
(150 Words) 10

वस्तुतः स्वामी विवेकानंद गरीब/दरिद्र नारायणों की सेवा करना ही, ईश्वर भक्ति मानते थे। इस आधार पर वे गरीब और वंचितों के प्रति समानुभूतिक दृष्टिकोण रखते थे।

वस्तुतः भावना भी इसी का एक रूप है। भावना से आशय अंतरमन की आवाज से है। अर्थात् किसी कार्य या परिस्थिति के प्रति नैतिया या अनैतिक का स्वतः आभास होना।

वस्तुतः इसी आधार पर कई स्थानों और परिस्थितियों में भावना निर्धारक का रोल अदा करती है, जो व्यक्ति को नैतिक आचरण करने हेतु सहायक होती है।

उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं लिखना  
चाहिये।  
(Candidate must not  
write on this margin)



अथा: गांधीजी द्वारा स्वतंत्रता संग्राम के चरमों में चलकर आंदोलनों का उद्देश्य स्वतंत्रता प्राप्ति था और इसी आधार पर उनके अंतर्यामी की आवाज और भावना के आधार पर भी अहिंसक आंदोलन मैतिक थे।  
वस्तुतः भारत की आजादी परिणत हुई।

अतः उक्त प्रमाणों के आधार पर कहा जा सकता है कि ~~विकास~~ विकास के निर्धारण में जितनी बुद्धि निर्धारक है, उतनी ही भावना। परंतु भावना का अतिरिक्त होने पर महत् नकारात्मक प्रभाव उत्पन्न कर सकती है।

उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं लिखना  
चाहिये।  
(Candidate must not  
write on this margin)

4. (a) कार्यस्थल में भावनात्मक बुद्धिमत्ता पारस्परिक संबंधों को कैसे प्रभावित करती है? समूह गत्यात्मकता, सहकार्यता और संघर्ष समाधान पर भावनात्मक बुद्धिमत्ता के प्रभाव की विवेचना कीजिये।

(150 शब्द) 10

How does emotional intelligence influence interpersonal relationships in the workplace? Discuss the impact of emotional intelligence on team dynamics, collaboration, and conflict resolution.  
(150 Words) 10

उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं लिखना  
चाहिये।  
(Candidate must not  
write on this margin)

भावनात्मक बुद्धिमत्ता से आशय ज्ञान के साथ-साथ भावना के परस्पर समन्वय से है। अर्थात् भावनात्मक बुद्धिमत्ता संज्ञानात्मक समझ और भावनाओं का समन्वय है।

वस्तुतः भावनात्मक बुद्धिमत्ता समन्वय बढ़ाने एवं द्वेष, विरोध को ~~समाप्त~~ समाप्त करने में सहायक होती है।

समूह गत्यात्मकता पर प्रभाव:

- विभिन्न आयामों का उदय होगा।  
(अथा: भावनात्मक पर, बौद्धिक पर)
- सभी ~~कार्मिकों~~ कार्मिकों के साथ ताल-मेल बढ़ेगा।
- विस्तृत दृष्टिकोण होने पर संस्था का विकास सुनिश्चित होगा।

सकार्यता पर प्रभाव:

- समन्वयात्मक परिदृश्य
- सभी साथ कार्य करेंगे, तो विचारों का आदान प्रदान होगा।
- परिणाम सकारात्मक प्राप्त होगा।
- उचित कार्यक्षेत्र का निर्माण होगा।

संघर्ष समाधान पर प्रभाव:

- विचारों की टकराहट कम होगी
- प्रतिस्पर्धा न होकर सहयोगात्मक कार्य संस्कृति का विकास होगा।
- नवोन्मेषों को बढ़ावा मिलेगा (स्थिर माहौल की उपलब्धि)
- चिड़चिड़ाहट का अभाव

इसी आधार पर कार्यस्थल पर भावनात्मक बुद्धिमत्ता द्वारा संस्था की प्रगति सुनिश्चित की जा सकती है, साथ ही विवादों का समाधान और किसी परिस्थिति का विभिन्न पक्षों द्वारा आँकलन किया जा सकता है।

उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं लिखना  
चाहिये।

(Candidate must not  
write on this margin)

- (b) अनैतिक व्यवहार को रोकने और हितधारकों के हितों की रक्षा करने में निगमित शासन (कॉर्पोरेट गवर्नेंस) महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस संदर्भ में भारत में निगमित शासन के साथ नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Corporate governance plays an important role in preventing unethical behaviour and protecting the interests of stakeholders. In this context, discuss the ethical issues with corporate governance in India. (150 Words) 10

निगमित शासन से आशय एक प्रभावी व्यवस्था द्वारा संस्था के कार्यों का निर्वहन करने से है। चूंकि कार्यस्थल पर भ्रमों की टकराहट, आयामों/दृष्टिकोणों में भिन्नता के कारण विसंगति उत्पन्न होती है, जिसे रोकने हेतु निगमित शासन की उपस्थिति अनिवार्य है।

→ निगमित शासन एक निर्बंधों की निगरानी करने का तंत्र है, जो नैतिकता को बनाए रखने का कार्य करता है।

भारत में निगमित शासन के समतल मुद्दे:

- नैतिकता के पालन हेतु बनाया गया शासन तंत्र में ही अर्थ हो जाता है।
- निर्णय सलाहकारी प्रकृति: क्रियान्वयन नहीं।

उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं लिखना  
चाहिये।

(Candidate must not  
write on this margin)

- नैतिक दुन्दुबों की उपस्थिति (यथा: कंपनी का हित बनाम व्यक्ति का हित)
  - उपभोक्तावादी संस्कृति में नैतिकता के बदलते आयाम
  - आपसी मतों में टकराएँ (यथा: नैतिकता व्यक्ति सापेक्ष)
- अतः चुनौतियों के बावजूद भी निगमित शासन नैतिकता सुनिश्चित करने हेतु महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसी आधार पर CSR (निगमित सामाजिक जिम्मेदारी) में प्रावधान भी अति महत्वपूर्ण सिद्ध होता है।

उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं लिखना  
चाहिये।  
(Candidate must not  
write on this margin)

5. (a)

नैतिक दुविधा क्या है? सार्वजनिक संस्थानों में विभिन्न नैतिक चिंताओं और दुविधाओं पर चर्चा कीजिये।  
(150 शब्द) 10

What is an ethical dilemma? Discuss various ethical concerns and dilemmas in public institutions.  
(150 Words) 10

नैतिक दुविधा से आशय ऐसी परिस्थिति से है, जब दो नैतिक परिस्थितियों के बीच टकराएँ हो जाएँ और किसी एक को चुनना हो। यथा: किसी समाज में पुरातनवादी मूल्यों (जैसे: संयुक्त परिवार) में से और नवीन मूल्यों (जैसे: एकल परिवार) के बीच में से किसी एक परिस्थिति संचयन करना पड़े।

सार्वजनिक संस्थानों में नैतिक चिंताएँ:

- 1.) सुशासन की अनुपलब्धता
- 2.) जागरूकता की कमी
- 3.) हितधारकों के प्रति गैर-जवाबदेही
- 4.) सरकार द्वारा उचित क्रियान्वयन नहीं
- 5.) परिचालन प्रणाली में दोष (यथा: भ्रष्टाचार, लालफीताशाही)

उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं लिखना  
चाहिये।  
(Candidate must not  
write on this margin)

6) नवोन्मेष और नवान्चार का अभाव

नैतिक दुविधायें:

- 1.) स्वस्ति बनाम परस्ति
- 2.) कार्य संहिता बनाम नैतिक संहिता
- 3.) भावना बनाम नियम
- 4.) परंपरा बनाम आधुनिकता
- 5.) आधुनिकता बनाम संस्कृति

उक्त आधार पर कहा जा सकता है जिस प्रकार सार्वजनिक संस्थानों का क्रियान्वयन हो रहा है, उसमें नैतिक दुविधायों के साथ-साथ नैतिक चिंतन भी हुई है, जिन्हें सुशासन के माध्यम से दूर करने का प्रयास करना चाहिए।

उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं लिखना  
चाहिये।  
(Candidate must not  
write on this margin)

(b) निम्नलिखित पर 30-30 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये:  
Write short notes on the following in 30 words each:

(150 शब्द) 10  
(150 Words) 10

- (i) नैतिक प्रशासन / Ethical Governance
- (ii) वस्तुनिष्ठता और निष्ठा / Objectivity and dedication
- (iii) निजी क्षेत्र की नैतिक विकृतियाँ / Ethical perversions of private sector
- (iv) सहानुभूति और करुणा / Empathy and compassion
- (v) सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 / RTI Act, 2005

① नैतिक प्रशासन से आशय नैतिकता के नियमों के अनुसार नीतियों का संचालन करना और कार्यक्षेत्र के नैतिक एवं प्रगतिशील बनाए रखना है। यथा: समतामूलक वितरण

② वस्तुनिष्ठता से आशय ~~नैतिक~~ नीतिशास्त्र के नियमों के आधार पर समय-परिस्थिति निरपेक्ष नैतिकता के निर्धारण से है। वही निष्ठा का आशय किसी कार्य, परिस्थिति के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखने से है, जिससे उसका अनुसरण करने का भाव उत्पन्न हो सके।

③ निजी क्षेत्र की नैतिक विकृतियाँ  
→ सामाजिक सुरक्षा का अभाव  
→ शोषणकारी स्वरूप

उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं लिखना  
चाहिये।  
(Candidate must not  
write on this margin)

- संवेदना का अभाव
- सेवक-स्वामी संबंध
- कार्यानुकूल दशाओं और वेतन का अभाव
- महिलाओं के साथ यौन-शोषण की समस्याएँ

④ सदानुभूति से आशय किसी व्यक्ति अथवा प्राणी के प्रति परिस्थितियों के अनुसार संवेदना व्यक्त कर देने से है।

जैसे: किसी को निराश देखकर उसका होंसला बढ़ाना / ढोंदस बंधाना

जबकि करुणा का आशय प्राणी के प्रति संवेदना व्यक्त करने के साथ-साथ, उसके बेस्तरी हेतु उपाय करने से है।

जैसे: ~~किसी को निराश देखकर उसका होंसला बढ़ाना~~ गाँधी द्वारा हरिजनों के उत्थान हेतु किए गए कार्य

⑤ चूचना का अधिकार 2005 द्वारा शासन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया, जिसमें सरकार द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों पर खर्च की जाने वाली राशि का सौरा प्राप्त किया जा सकता है, जिससे शासन में ईमानदारी जैसे मूल्यों का विकास होगा।

24

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

6. (a)

शासन व्यवस्था में ईमानदारी से क्या आशय है? शासन व्यवस्था में ईमानदारी का उद्देश्य और महत्व क्या है? क्या शासन व्यवस्था में ईमानदारी सुनिश्चित करने के लिये कोई उपाय हैं?

(150 शब्द) 10

What is probity in governance? What is the purpose and importance of probity in governance? Are there any measures to ensure probity in governance? (150 Words) 10

ईमानदारी से आशय किसी ~~कार्य~~ किए गए कृत को स्वीकार करने से है। अर्थात् कोई व्यक्ति ईमानदार कहलाएगा; अगर वह ~~स्वीकार कर ले~~ कि उस कार्य को स्वीकार कर ले, जो उसके द्वारा किया गया है।

उद्देश्य

- ~~जिम्मेदारी~~ जिम्मेदारी एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने हेतु
- कार्य संस्कृति को सुधारने हेतु
- शासन एवं प्रशासकों, सिविल सेवकों को प्रतिबद्ध बनाने हेतु
- नैतिक शासन की स्थापना हेतु

मूल्य:

- सत्यनिष्ठा का आधार तैयार करने में
- नैतिक गुणों का विकास करने में
- शासन की बुनियाद मजबूत करने में

25

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

→ समावेशी कल्याण सुनिश्चित करने में

ईमानदारी सुनिश्चित करने के उपाय:

→ नागरिक चार्टर का प्रभावी क्रियान्वयन

→ सूचना का अधिकार 2005 के बारे में जागरूकता बढ़ाकर

→ नैतिक व्यक्तियों का उदाहरण देकर और ईमानदार व्यक्तियों को पुरस्कार देकर

→ नैतिक सम्मेलन आयोजन कर

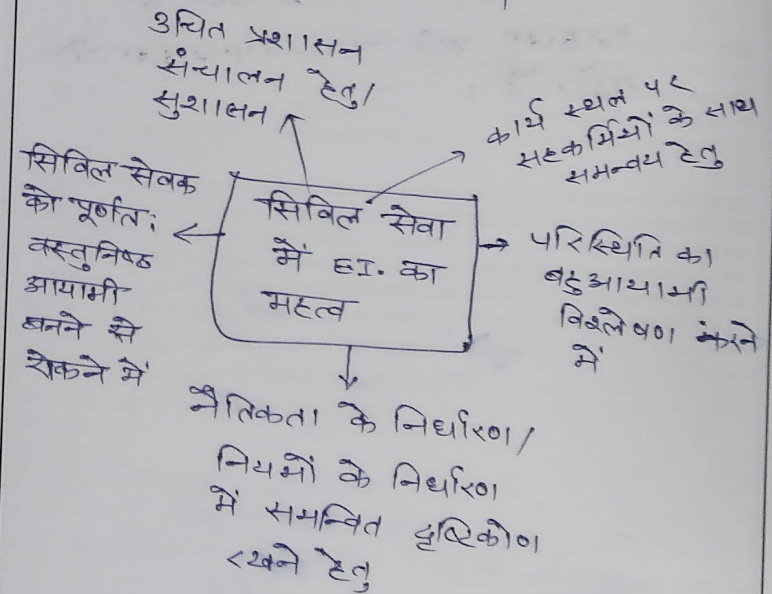
उपर्युक्त आधारों पर शासन व्यवस्था में ईमानदारी को बढ़ाया जा सकता है परंतु ईमानदारी सैकीर्ण विचार है। अतः इसे सत्यनिष्ठा में परिणत करने का प्रयास करना चाहिए, जिससे शासन नैतिक, पारदर्शी व जवाबदेह बन सके।

उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं लिखना  
चाहिये।  
(Candidate must not  
write on this margin)

(b) लोक सेवकों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता का क्या महत्त्व है? तार्किक समर्थन के साथ अपने विचार प्रस्तुत कीजिये। (150 शब्द) 10

What is the significance of Emotional Intelligence in Civil Servants? Share your viewpoint and provide supporting arguments. (150 Words) 10

भावनात्मक बुद्धिमत्ता से आशय उस गुण से है, जिसमें भावनाओं एवं ज्ञान/बुद्धि का उचित समन्वय हो। अर्थात् किसी परिस्थिति के विषय में भावना एवं ज्ञान दोनों के आधार पर विचार किया जा सके।



उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं लिखना  
चाहिये।  
(Candidate must not  
write on this margin)

उक्त आधारों पर भावनात्मक बुद्धिमत्ता  
सिविल सेवकों हेतु आवश्यक गुण है,  
जो शासन की समन्वित एवं सहयोगात्मक  
रूप में चलाने हेतु आवश्यक है।

उदा० हाल ही में सोशल मीडिया पर  
पर्यित मध्य प्रदेश के डीएसपी  
द्वारा लोगों से भावनात्मक  
लगाव वाले वीडियो प्रसारित किए  
गए। ऐसे कार्य शासन की  
ग्राहता एवं समन्वयात्मकता को  
बढ़ाते हैं।

उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं लिखना  
चाहिये।  
(Candidate must not  
write on this margin)

खंड - ख / SECTION - B

7.

आपको उस राज्य के एक जिले में पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है जहाँ हाल ही में एक अवैध खनन माफिया द्वारा एक डी.एस.पी. की हत्या कर दी गई थी। आपको सूचना मिली है कि अरावली की पहाड़ियों में कुछ लोगों द्वारा अवैध खनन किया जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि उस क्षेत्र में अवैध खनन के अधिकतर मामले कभी भी न्यायालय या पुलिस तक नहीं पहुँचते हैं क्योंकि माफिया के रूप में कोई और नहीं बल्कि स्थानीय विधायक शामिल है।

एक तथ्य यह है कि अधिकांश खनिज भंडार जिले के एक बड़े भाग में स्थित अरावली पर्वतमाला के आसपास केंद्रित हैं। खनन गतिविधि को तत्काल रोकने से वहाँ कार्यरत मजदूरों के जीवन पर भी असर पड़ेगा। जबकि खनन का पर्यावरणीय प्रभाव भी एक चिंता का विषय है। एक युवा और ऊर्जावान नौकरशाह होने के नाते, आप सकारात्मक बदलाव लाने के लिये उत्साहित हैं, अपितु फिर भी आपको अपने अधीनस्थों द्वारा चेतावनी दी जाती है, जो विभिन्न चुनौतियों से गुजरते हैं।

(250 शब्द) 20

- उपरोक्त स्थिति में शामिल हितधारकों की पहचान कीजिये
- आपके समक्ष कौन सी नैतिक दुविधाएँ हैं?
- इस स्थिति में आप क्या कदम उठाएंगे?

You have recently been posted as the Superintendent of Police of a district in a state where a DSP was killed recently by an illegal mining mafia. You have received information that illegal mining was being done by some people in the area in the Aravalli hills. The surprising thing is that most of the cases of illegal mining in this area never reach the court or the police as the politician who was involved in the mafia was no one else but the local MLA.

It has been found that most mineral deposits are concentrated all along the Aravali range that runs through large parts of the district. An immediate shutdown of the mining activity will also impact the lives of the labourers employed there. The environmental impact of mining is also a major concern. Being a young and energetic bureaucrat, you are passionate about bringing positive changes but at the same time being cautioned by your subordinates who have witnessed various challenges from the threat. (250 Words) 20

- Identify the stakeholders involved in the above situation
- What are the ethical dilemmas being faced by you?
- What step will you take in this situation?

6) हितधारक

राज्य सरकार : चूंकि संसाधन (खनिज)  
राज्य के अंदर उपलब्ध  
है।

उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं लिखना  
चाहिये।  
(Candidate must not  
write on this margin)

- ② मजदूर वर्ग
- ③ न्याय व्यवस्था
- ④ पुलिस प्रशासन
- ⑤ राज्य विधायिका : चूंकि अवैध खनन माफिया विधायक है।
- ⑥ पर्यावरण
- ⑦ खनन विभाग / उखनन विभाग
- ⑧ राज्य राजस्व विभाग

⑤ नैतिक दुविधाएँ:

- ① स्वहित बनाम सर्वहित
- ② भावना बनाम कानून
- ③ उत्तरदायित्व बनाम ~~भावना~~ भावना
- ④ जबाबदेहिता बनाम कर्तव्यपरायणता
- ⑤ करुणा बनाम नियम
- ⑥ ~~कर्मठता~~ कर्मठता बनाम भय
- ⑦ नियम बनाम सहानुभूति
- ⑧ वस्तुनिष्ठता बनाम आत्मनिष्ठता

उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं लिखना  
चाहिये।  
(Candidate must not  
write on this margin)

⑥ उठार जाने वाले कदम:

- मजदूरों को चरणबद्ध तरीके से दूसरे रोजगारों में संलग्न करते हुए अवैध खनन माफिया के विरुद्ध कार्यवाही
- इस मामले के संबंध में पहले कार्यरत किसी वरिष्ठ अधिकारी से उचित सलाह लेकर आत्मनिर्णयन
- चूंकि जोश में निर्णय लेना नकारात्मक रूप प्रस्तुत कर सकता है। अतः संयम से एवं प्रक्रियागत तरीके से न्यायालय द्वारा ऑर्डर बलकर माफिया के विरुद्ध कार्यवाही है
- माफिया द्वारा पहले किए गए अनैतिक कार्यों की या किसी अपराध की FIR को डूँढ़कर और पता लगाकर कि भूतकाल में उसने कितने अनैतिक कृत्य किए हैं, उचित कार्यवाही करेगा।

उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं लिखना  
चाहिये।  
(Candidate must not  
write on this margin)



→ चूंकि माफिया पहले भी एक डीएसपी की हत्या कर चुका है। अतः इस मामले की जांच कर, पुरुष सबूत जुटाकर अग्रे की कार्यवाही करूंगा।

→ इसके बारे में मुख्यमंत्री को बताकर उचित कार्यवाही करने का आदेश देने के लिए आग्रह करूंगा।

→ चूंकि सर्वाधिक हल्के भावना और कर्तव्य में है। अतः मैं भावनात्मक बुद्धिमत्ता द्वारा ग्रामीण व्यक्तियों के सहयोग से तथा अन्य पुलिस अधिकारियों के सहयोग से उचित कार्यवाही करूंगा और भय को त्यागकर साहस से काम लूंगा। साथ ही इन घटनाओं के बारे में न्यायालय को भी सूचित करूंगा।

→ मुख्यमंत्री से अपील करूंगा कि यह खनन का पट्टा किसी उपयुक्त

कंपनी को दिया जाए या अवैध खनन बंद किया जाए और मजदूरों को कुछ किसी अन्य क्षेत्र में लगाने का प्रयास किया जाए।

8.

पुलिस अधीक्षक के रूप में आप एक ऐसे ज़िले में नियुक्त हुए हैं जो गंभीर नागरिक अशांति और कानून-व्यवस्था की समस्याओं से ग्रस्त है। राजनीतिक नेताओं की कई अपीलों के बावजूद स्थिति में सुधार के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं। दंगाई हथियारों और गोला-बारूद तक पहुँच हासिल कर पास के एक सैन्य शिविर को लूटने में कामयाब रहे। इससे विभिन्न समुदायों के बीच संघर्ष बढ़ गया है, जिसके परिणामस्वरूप लगातार गोलीबारी हो रही है। इस अराजकता के बीच, आपको एक शरणार्थी शिविर के एक अधिकारी से आधी रात को एक व्यथित करने वाला फोन आता है। उन्होंने आपको बताया कि शिविर में एक 7 वर्षीय बच्चे को पीठ में गोली मार दी गई है, जिससे पता चलता है कि दंगाइयों ने अन्य समुदायों के लोगों को सुरक्षा प्रदान करने के लिये पुलिस को निशाना बनाया था। अधिकारी घायल बच्चे को निकटतम अस्पताल तक ले जाने में आपकी सहायता का अनुरोध करता है। आप जल्दी से एक एम्बुलेंस की व्यवस्था करते हैं और शिविर की ओर चल पड़ते हैं।

हालाँकि, जब आप अपने मार्ग में जा रहे होते हैं तो आपको अपने एक अधीनस्थ से यह संदेश प्राप्त होता है, जो आपको फर्जी खबरों के प्रसार के प्रति सचेत करता है। इस गलत सूचना के अनुसार, यह झूठा दावा किया जा रहा है कि राज्य के अधिकारी एक विशेष समुदाय को अधिमान्य उपचार प्रदान करने के लिये एम्बुलेंस का दुरुपयोग कर रहे हैं। इस स्थिति में आपके पास विभिन्न दृष्टिकोण क्या हैं? आपकी कार्यवाही का तरीका क्या होगा? आप यह कैसे सुनिश्चित करेंगे कि कानून एवं व्यवस्था की स्थिति बनी रहे?

(250 शब्द) 20

You, as the Superintendent of Police, find yourself in a district plagued by severe civil unrest and law-and-order issues. Despite numerous appeals from political leaders, the situation shows no signs of improvement. The rioters have managed to loot a nearby army camp, gaining access to weapons and ammunition. This has escalated the conflict between different communities, resulting in constant gunfire exchanges. In the midst of this chaos, you receive a distressing midnight call from an officer at a refugee camp. He informs you that a 7-year-old child has been shot in the back at the camp, revealing that the rioters targeted the police for providing protection to people from other communities. The officer at the camp requests your assistance in escorting the injured child to the nearest hospital. You quickly arrange for an ambulance and make your way to the camp.

However, while enroute, you receive a message from one of your subordinates, alerting you of the spread of fake news. According to this misinformation, it is being falsely claimed that state officials are misusing the ambulance to offer preferential treatment to a particular community. In this situation what are the different approaches available to you? What will be your course of action? How will you ensure that law and order situation is maintained?

(250 Words) 20

उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं लिखना  
चाहिये।  
(Candidate must not  
write on this margin)

- इस परिस्थिति में दृष्टिकोण निम्न लिखित हैं:
- घायल बच्चे की सहायता आवश्यक
  - एक जिम्मेदार नागरिक के कर्तव्य
  - राज्य के प्रति निष्ठा
  - मानवता के प्रति निष्ठा
  - अराजकता फैलाने वाले दंगाइयों के विकृत  
हीनतावादी दृष्टिकोण
  - सहित से बढ़कर सर्वहित
  - झूठ एवं भ्रामक सूचना के प्रति कोई  
प्रतिक्रिया नहीं, उचित समय का इंतजार
  - भावनात्मक बुद्धिमत्ता की अनिवार्यता
  - सुरक्षा व्यवस्था के ऊपर विश्वास एवं  
सहयोग हेतु तत्परता
  - कर्तव्यपरायणता से दायित्व निर्वहन  
का भाव

उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं लिखना  
चाहिये।  
(Candidate must not  
write on this margin)

कार्यवाही का तरीका:

→ चूंकि मेरे लिए स्वस्थि से बढ़कर परहित है। अतः मैं बिना किसी भय के साहस के साथ बच्चे के इलाज के लिए जाऊंगा।

साथ ही झूठी खबरों के प्रति अभी कोई प्रतिक्रिया न देकर उचित समय का इंतजार करूंगा। ताकि बच्चे का उपचार किया जा सके।

→ मैं लोगों से एकजुट होने की अपील करूंगा, जिससे होसना बंद और दवाईयों का मनोबल रहे और पुलिस का सहयोग ~~लेकर~~ बच्चे के इलाज के लिए जाऊंगा। परिस्थिति सामान्य होने पर एम्बुलेंस को ~~इस्तेमाल~~ इस्तेमाल के बारे में सच बताऊंगा।

उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं लिखना  
चाहिये।  
(Candidate must not  
write on this margin)

→ पुलिस ~~को~~ अपील करूंगा कि दवाईयों को समझाने का प्रयास करे और लोगों पर गोली न चलाने का अनुरोध करे। साथ ही बच्चे का इलाज करना दायित्व है। अतः उसका निर्वहन करूंगा।

कानून एवं व्यवस्था हेतु:

→ एम्बुलेंस को तुरंत बच्चे के लिए लेकर ~~जाऊंगा~~ जाऊंगा और मीडिया को बताऊंगा कि किस प्रकार यह बच्चे के इलाज हेतु इस्तेमाल हुई है। इसी आधार पर दवाईयों से हिंसा नहीं करने की अपील करूंगा और पुलिस से अपील करूंगा कि हथियारों का प्रयोग न करे।

→ मुख्यमंत्री अथवा अन्य नेताओं से अपील करूंगा कि इस स्थिति में दवाईयों की बात को सुना जाए

उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं लिखना  
चाहिये।  
(Candidate must not  
write on this margin)

और उचित निर्णय लेने का आशवाजन  
हूँगा।

→ दूंगाईयों से वाली हका मामले की तह  
तक जाने का प्रयास करूँगा और  
उन्से गोली चलाने के बारे में मना  
करूँगा ; क्योंकि इससे बेगुनाह लोग  
प्रभावित होते हैं।

→ अन्य सभी उपयों के न रहने पर  
अंतिम चेतावनी हूँगा और फिर भी  
न मानने पर सभी को आँसूगोंस  
के गोले बरसाकर गिरफ्तार करूँगा।

9. रोहन 12वीं कक्षा का नवोत्तीर्ण छात्र है। अपनी अंतिम बोर्ड परीक्षा के दौरान उसे कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उसके खराब स्वास्थ्य तथा पारिवारिक समस्याओं ने उसकी तैयारी में बाधा उत्पन्न की। वह विद्यालय की कई महत्वपूर्ण कक्षाओं में अनुपस्थित रहा। उसके सबसे अच्छे दोस्त रमन ने उसे बोर्ड परीक्षा के दौरान अमूल्य सहायता प्रदान की। रोहन को अच्छे अंक प्राप्त करने में मदद करने के लिये रमन ने अपने निजी नोट्स भी साझा किये। रोहन के माता-पिता उसके दोस्त के समर्पण तथा सहायता के लिये आभारी थे, उन्होंने रोहन को सफल होने में सहायता करने के लिये किये गए प्रयास को मान्यता दी। हालाँकि बोर्ड परीक्षा में अच्छे ग्रेड प्राप्त करने के बाद भी CUET परीक्षा एक बड़ी बाधा थी। CUET में प्राप्त अंक यह निर्धारित करेंगे कि रोहन किस कॉलेज व पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकता है। रोहन BCA की पढ़ाई करना चाहता था तथा जानता था कि एक प्रतिष्ठित कॉलेज में प्रवेश के लिये उसे विशिष्ट अंकों की आवश्यकता है। हाल ही में, रोहन को पता चला कि रमन ने एक अच्छे कॉलेज में प्रवेश की संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिये EWS (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) प्रमाणपत्र प्राप्त किया है। सच तो यह था कि उसका सबसे अच्छा दोस्त वास्तव में EWS श्रेणी के लिये योग्य नहीं था। इस सच से रोहन काफी परेशान हो गया। जब उसने रमन से स्थिति के बारे में पूछा, तो उसके दोस्त ने कड़ी प्रतिस्पर्द्धा व लाभ की आवश्यकता पर जोर देकर उसके कार्यों को उचित ठहराया। रमन ने रोहन को भी EWS प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिये मनाने की कोशिश की। (250 शब्द) 20

- (a) उपरोक्त स्थिति में शामिल नैतिक संशय/दुविधा पर चर्चा कीजिये?  
(b) उपरोक्त सभी विकल्पों का मूल्यांकन कीजिये?  
(c) आप कौन-से विकल्प का चयन करेंगे और क्यों?

Rohan is a newly passed out class 12<sup>th</sup> student. During his final board examination, he faced several challenges. His poor health and family issues hampered his preparation. He missed several of the important classes in school. His best friend, Raman, provided him with invaluable support during the Board examination. Raman even shared his personal notes to help Rohan achieve a good score. Rohan's parents were grateful for his friend's dedication and assistance, recognizing the effort he put in to help Rohan succeed. However, there was one major obstacle even after getting good grades in the Board examination—the CUET examination. The CUET score would determine the college and course Rohan could pursue. Rohan aspired to study BCA and knew he needed exceptional marks to secure admission into a reputable college. Recently, Rohan discovered that Raman had obtained an EWS (Economically Weaker Section) certificate to improve his chances of getting into a good college. The truth was that his best friend did not actually qualify for the EWS category. This revelation left Rohan deeply upset. When he confronted Raman about the situation, his friend justified his actions by emphasizing the intense competition and the need for an advantage. Raman tried to convince Rohan to also obtain an EWS certificate.

(250 Words) 20

- (a) Discuss the ethical dilemma involved in the above-mentioned situation?  
(b) Evaluate all the options available to you?  
(c) Which option would you opt for and why?

- ④
- ① स्वस्थि बनाम संस्थागत स्थिति
  - ② नियम बनाम स्वस्थि
  - ③ परस्थि बनाम आत्मसंतुष्टि
  - ④ वस्तुनिष्ठता बनाम आत्मनिष्ठता
  - ⑤ मित्रता बनाम नियम
  - ⑥ सहयोग बनाम नियम
  - ⑦ भावना बनाम नैतिकता
  - ⑧ आत्मनिष्ठता बनाम नियम

- ⑤
- ① EWS के प्रमाण पत्र हेतु आवेदन नहीं करें तथा स्वयं के ज्ञान पर भरोसा रखें
  - ② मेहनत करके प्रयास करें कि अच्छा कॉलेज मिल जाए तथा रमन को यह EWS का प्रमाण पत्र रद्द करवाने का बोलें

उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं लिखना  
चाहिये।  
(Candidate must not  
write on this margin)

- ⑥
- ① रमन को वास्तविक रूप से जकरतमंद लोगों / छात्रों के बारे में बताकर EWS प्रमाण पत्र को रद्द करने के लिए कहें।
  - ② दोस्ती को बरकरार रखने के लिए रमन को नैतिकता के मार्ग पर चलने के लिए कहें। ताकि आगे जकरतमंद इस प्रमाण पत्र का प्रयोग कर सके।

- ⑦
- ① स्वस्थि हेतु EWS का प्रमाण पत्र नहीं बनवाएँ, क्योंकि स्वस्थि से बड़ा परस्थि है और रमन को प्रमाण पत्र रद्द करने की सलाह दें, अगर वह फिर भी नहीं माने तो उसके विरुद्ध शिकायत दर्ज करें

उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं लिखना  
चाहिये।  
(Candidate must not  
write on this margin)

- उक्त विकल्पों में से मैं सबसे अंतिम ~~5~~ 5 वॉ विकल्प चुनता और निश्चित रूप से EWS प्रमाण पत्र नहीं बनवाता और रमन की शिकायत करता।

आगे :

- परहित सबसे ज्यादा जरूरी स्वहित की बजाय
- नैतिक मुद्दा महत्वपूर्ण
- आने वाले समय में स्वयं के साथ व अन्य किसी के साथ ऐसा व्यवहार न हो। इसके सुनिश्चित करने के लिए।
- नैतिक रूप से संतुष्टि प्राप्त होता है साथ ही विश्व को नैतिक

उम्मीदवार को इस  
हार्शिये में नहीं लिखना  
चाहिये।  
(Candidate must not  
write on this margin)

- बनाने हेतु नैतिकता अनिवार्य है।
- मेरे EWS प्रमाण पत्र नहीं बनवाने के पीछे अधिकतम व्यक्तियों का सुख है।
- रमन की शिकायत करूँगा, वो वह आगे कभी भी अनैतिक कार्य नहीं करेगा, जो उसके नैतिक विकास में सहायक होगा।

उम्मीदवार को इस  
हार्शिये में नहीं लिखना  
चाहिये।  
(Candidate must not  
write on this margin)

10.

भारत के एक पूर्वी राज्य में एक चार लेन का कंक्रीट पुल एक वर्ष में दूसरी बार ढह गया है। पुल की संरचनात्मक विफलता इस बात का उदाहरण देती है कि इंजीनियरिंग प्रथाओं में नैतिकता का उल्लंघन कैसे होता है। रवि एक प्रतिष्ठित संरचनात्मक इंजीनियर हैं और उसे परियोजना की जाँच के लिये नियुक्त किया गया है। योजनाओं और रेखाचित्रों की जाँच करने के बाद, उन्हें पता चला कि डिजाइन में एक बड़ी खामी थी। खामी के बारे में रिपोर्ट करने से भविष्य में ऐसी गंभीर स्थिति से बचा जा सकेगा लेकिन इससे निर्माण कंपनी की मान्यता प्रभावित होगी। साथ ही रवि को पता चला कि पुल का कार्य करने वाला ठेकेदार कोई और नहीं बल्कि उस इलाके के विधायक का छोटा भाई है। इस प्रकार, स्थिति की रिपोर्ट करने से उसके जीवन को कोई गंभीर खतरा हो सकता है। इस मामले में शामिल नैतिक मुद्दों का विश्लेषण करें। इस स्थिति में, रवि को आदर्श रूप से क्या करना चाहिये? क्या "त्रुटियाँ या विफलताएँ" सभी मामलों में मानव प्रगति के लिये स्वीकार्य हैं?

(250 शब्द) 20

A four-lane concrete bridge in an eastern state in India has collapsed for the second time in just over a year. The structural failure of the bridge provides an example of how violation of ethics occurs in engineering practices. Ravi is a reputable structural engineer and has been appointed to investigate the project. After scrutinizing the plans and drawings, he finds that there was a major flaw in the design. Reporting about the flaw would save such a grave situation in the future but this would affect the recognition of the construction company. Also, Ravi found that the contractor working for the bridge is no one else but the younger brother of the MLA in that area. Thus, reporting the situation may cause some serious threat to his life. Analyse the ethical issues involved in this case. In this situation, what should Ravi ideally do? Are "errors or failures" acceptable price for human progress in all instances?

(250 Words) 20

उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं लिखना  
चाहिये।

(Candidate must not  
write on this margin)

उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं लिखना  
चाहिये।

(Candidate must not  
write on this margin)

उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं लिखना  
चाहिये।

(Candidate must not  
write on this margin)

उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं लिखना  
चाहिये।

(Candidate must not  
write on this margin)



उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं लिखन  
चाहिये।  
(Candidate must not  
write on this margin)

उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं लिखन  
चाहिये।  
(Candidate must not  
write on this margin)

11.

21 वर्ष की उम्र में ही राधिका अपने असाधारण कुश्ती कौशल के कारण अपने गृह राज्य हरियाणा में काफी प्रसिद्ध हो गई। इसका पूरा श्रेय उसकी प्रतिभा और उसके माता-पिता द्वारा उसके सपनों को पूरा करने के लिये किये गए अनेकों बलिदानों को जाता है। अपनी माँ के कैंसर के इलाज के कारण उत्पन्न हुए वित्तीय संकट का सामना करने के बावजूद उसके पिता के अटूट दृढ़ संकल्प ने उसे एशियाई चैंपियनशिप में पदक जीतने के लिये सबसे अधिक प्रेरित किया।

ओलंपिक खेलों का समय निकट आते देख राधिका ने दिल्ली में कुश्ती अकादमी में तकनीकी प्रशिक्षण लेने का निर्णय लिया। इस दिशा में उसके क्षेत्र के विधायक द्वारा इस प्रक्रिया में तेजी लाये जाने और अविलंब प्रशिक्षण शुरू कराये जाने की अनुमति से राधिका को बहुत मदद मिली। हालाँकि, अपने छोटे भाई और माँ की तबियत को देखते हुए वह अपने गृह जिले को छोड़ने को लेकर काफी चिंतित थी, परंतु उसके पिता ने उसे आश्वस्त किया कि वह नियमित रूप से उससे मिलने आया करेंगे और उसे सुझाव दिया कि वह घर की चिंता को छोड़कर अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करे।

दिल्ली में कुश्ती अकादमी में राधिका ने कुश्ती क्षेत्र के एक प्रसिद्ध कोच/प्रशिक्षक से प्रशिक्षण लेना आरंभ किया। उनके मार्गदर्शन में उसके कौशल में काफी सुधार हुआ। राधिका को उनके अधीन प्रशिक्षण ले रही अन्य प्रतिभाशाली महिला पहलवानों से मिलने का भी अवसर प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त, कोच ने राधिका के प्रशिक्षण को बेहतर बनाने के लिये व्यक्तिगत रूप से अपने खर्च से कई उपकरण उपलब्ध कराए।

एक दिन, शाम को प्रशिक्षण खत्म करके लौटते समय राधिका को किसी के रोने की आवाज सुनाई दी। वह उसके पास गई और पाया कि यह एक नई प्रशिक्षु है और इसका नाम श्रुति है तथा वह एक नाबालिग भी है। उत्सुकतावश राधिका ने श्रुति की परेशानी का कारण जानने की बहुत कोशिश की, किंतु उसने कोई भी विवरण देने से इनकार कर दिया। अचानक उनका कोच आया और तेजी से श्रुति को लेकर चला गया। इस स्थिति से उत्पन्न भ्रम और अस्थिरता एवं श्रुति की दर्दनाक चीखें उसके दिमाग में घूमते रहने के कारण राधिका को उस रात नींद नहीं आई।

अगली रात, प्रशिक्षण के बाद लौटते समय, राधिका ने उसी लड़की को कोच के साथ देखा। इस दृश्य से परेशान होकर उसने इस बारे में अकादमी में अपने एक दोस्त से बात की। दोस्त ने उसे सतर्क रहने को कहा और यह भी सलाह दी कि वह इस विषय में और किसी से बात न करे। उसकी दोस्त ने आगे बताया कि कोच गरीब और वंचित पृष्ठभूमि की लड़कियों का यौन शोषण करता था। कई अन्य लड़कियों ने इस जानकारी को पुष्टि की थी।

यह सुनकर राधिका को बहुत हैरानी हुई और उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या करे। कोच का उसके प्रति व्यवहार हमेशा ही सम्मानजनक रहा था और उन्होंने उसकी काफी मदद भी की थी। इसके अतिरिक्त, उनके कुछ राजनीतिक संबंध थे और उनके जिले के विधायक से उनकी करीबी दोस्ती थी। लड़कियों ने राधिका को अन्य के साथ हुई इसी प्रकार की कई घटनाओं के बारे में बताया, और यह भी बताया कि किस प्रकार जिन-जिन लड़कियों ने आवाज उठाने की कोशिश की, उनका करियर नष्ट हो गया। अपनी सफलता के वर्तमान स्तर तक पहुँचने के लिये किये गए बलिदानों के विषय में राधिका भलीभाँति अवगत थी, साथ ही उसे अपनी वित्तीय स्थिति का भी आभास था। हालाँकि, वह एक बात अच्छे से जानती थी कि वह इस अन्याय को अनदेखा नहीं कर सकती।

(250 शब्द) 20

- (a) इस मामले में कौन-कौन से हितधारक शामिल हैं?
- (b) राधिका के लिये कार्रवाई की दिशा और उनके संभावित निहितार्थों की जाँच कीजिये।
- (c) मूल्यांकन कीजिये कि भविष्य में कौन-सी कार्यवाही राधिका के लिये अधिक उपयुक्त होगी और क्यों।

Radhika, at the age of 21, became a sensation in her home district of Haryana due to her exceptional wrestling skills. Her talent propelled her to stardom, and her parents made significant sacrifices to fulfil her dreams. Despite facing financial distress, especially after her mother's cancer diagnosis, her father's unwavering determination pushed her to go to extreme lengths to win a medal at the Asian Championship.

With the Olympics looming, Radhika made the decision to take smart and technical training at the wrestling academy in Delhi. She was overjoyed when the MLA from her region expedited the process, allowing her to commence training immediately. However, concerns about leaving her home district arose since she had a younger brother and an ailing mother. Nonetheless, her father reassured her that he would visit regularly, urging her to concentrate on her games.

At the academy in Delhi, Radhika was assigned a renowned coach who held great prestige in the wrestling circle. Under his guidance, her skills improved significantly. She also had the opportunity to meet other talented female wrestlers who were training under him. They, too, were impressed by the coach's expertise. Additionally, the coach went above and beyond, personally providing equipment for Radhika from his own pocket to enhance her training.

One evening, upon returning from training, Radhika heard someone sobbing. She approached the source of the cries and discovered a new trainee named Shruti, a minor. Curious about the cause of Shruti's distress, Radhika inquired, but she refused to disclose any details. Suddenly, their coach arrived and swiftly took Shruti away. Confused and unsettled by the situation, Radhika found it difficult to sleep that night as Shruti's painful cries lingered in her mind.

The following night, while returning from training, Radhika spotted the same girl in the company of the coach. Troubled by this observation, she confided in a friend at the academy. The friend cautioned her to be cautious and advised against disclosing the information to anyone else. Upon further discussion, the friend revealed that the coach took advantage of girls from marginalized backgrounds in a sexual manner. Many other girls had corroborated this information.

Shocked to the core, Radhika was at a loss for what to do. The coach had always been respectful and helpful towards her. Moreover, he had political connections and was a close friend of the MLA from her district. The girls also shared stories of others who had tried to raise their voices and had their careers destroyed as a result. Radhika was aware of the sacrifices she had made to reach her current level of success, and the financial situation was far from ideal. However, she knew she couldn't let this injustice go unaddressed.

(250 Words) 20

- (a) Who are the different stakeholders involved in this case?  
 (b) Examine the courses of action for Radhika and their potential implications.  
 (c) Evaluate which future course of action would be more appropriate for Radhika and why.

उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं लिखना  
चाहिये।

(Candidate must not  
write on this margin)

(iv) स्त्रियारक:

→ पस्त्रवान

→ कुश्ती अकादमी

→ सरकार

→ अभिभावक

→ शारीरिक एवं वैयक्तिक वरग

→ आर्थिक व्यवस्था

→ पुलिस व्यवस्था

→ ~~सरकार~~ → शासन व्यवस्था

(b) (i) सभी पीड़ित लड़कियों से  
बात कर, उन्हें FIR लिखवाने  
है। मनाना।

(ii) पोल्सो अधिनियम के तहत शिकायत  
द्वेष कराये, जिससे कोच

उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं लिखना  
चाहिये।

(Candidate must not  
write on this margin)

के प्रति संभान लिया जा सके।

(iii) सभी पहलवानों को संगठित करके कोच के विरुद्ध जांच की मांग करें।

(iv) धोना-शोधना के विरुद्ध बिना देरी किए सीधे रिपोर्ट दर्ज कराए।

निर्दिष्टार्थ:

→ अपने वाली पहलवानों के साथ यह कृत्य न हो।

→ कुश्ती संघ का नाम धराव न हो।

→ खेलों में खिलाड़ियों की रुचि बढ़ सके, जिससे देश खेलों में तरकी कर सके।

उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं लिखना  
चाहिये।  
(Candidate must not  
write on this margin)

→ अपराधी मानसिकता को दण्डित करने से, अपराध के प्रति स्वीकार्यता समाप्त हो जाती है।

(c) राधिका को तुरंत पुलिस में इस कृत्य के संबंध में कोच के खिलाफ FIR दर्ज करवायी चाहिए, जिससे तुरंत POCSO Act लागू कर कोच को गिरफ्तार किया जा सके और उसके ऊपर उचित जांच व कार्यवाही की जा सके।

वस्तुतः ऐसे करने पर गरीब वर्ग की और पीड़ित लड़कियों में अपराध के विरुद्ध विरोध की भावना का विकास होगा।  
~~जिससे न केवल मानव जाती~~

उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं लिखना  
चाहिये।  
(Candidate must not  
write on this margin)

12. एक जिले में कई बच्चे मध्याह्न भोजन के दौरान दिये गए भोजन को खाने के बाद बीमार हो गए, जिसमें कथित तौर पर एक साँप था। भोजन तैयार करने के लिये जिम्मेदार स्टाफ सदस्य ने कहा कि छात्रों को भोजन परोसे जाने के बाद दाल के एक कंटेनर में एक साँप पाया गया। हालाँकि, उन्होंने इस बात पर बल देते हुए कहा कि यह घटना उनकी लापरवाही के कारण नहीं हुई, बल्कि सरकार द्वारा संचालित विद्यालय प्रशासन की प्रतिष्ठा को धूमिल करने के उद्देश्य से किसी बाह्य समूह द्वारा जानबूझकर की गई कार्रवाई के परिणामस्वरूप हुई है।

आप खंड विकास अधिकारी हैं और आपको ग्रामीणों से शिकायतें मिली हैं। वहाँ पहुँचने पर आप पाते हैं कि अभिभावकों ने विद्यालय कर्मचारी और शिक्षकों को घेर रखा है। उन्होंने विद्यालय की संपत्ति को भी नुकसान पहुँचाया है। विद्यालय कर्मचारी आपसे अनुरोध करता है कि जो रिपोर्ट आपको देनी है उसमें उसे बदनाम न करें क्योंकि उसकी नौकरी जा सकती है और वह अपने परिवार में एकमात्र कमाने वाला है। वहीं, ग्रामीण आपसे विद्यालय कर्मियों को दंडित करने और त्वरित न्याय दिलाने की मांग करते हैं। (250 शब्द) 20

- (a) उपरोक्त मामले में शामिल हितधारकों की पहचान कीजिये।  
(b) इस मामले में निहित नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिये।  
(c) उपरोक्त स्थिति में आप क्या कदम उठाएंगे?

Several children in a district became sick after consuming the food provided to them during a mid-day meal, which reportedly contained a snake. The staff member responsible for preparing the meal stated that a snake was discovered in one of the lentil containers after the food was served to the students. However, he insisted that this incident occurred not due to his negligence, but rather as a result of deliberate actions by an external group aiming to tarnish the reputation of the government-run school administration.

You are the Block Development Officer and have received complaints from the villagers. As you reach there, you find that the guardians gheraoed the school staffer and teachers. They have also vandalized the school property. The school staffer requests you not to defame him in the report that you are supposed to submit as he may lose his job and he is the only earner in his family. On the other hand, the villagers demand you to punish the school staffer and deliver quick justice. (250 Words) 20

- (a) Identify the stakeholders involved in the above case  
(b) Discuss the ethical issues involved in this case.  
(c) What steps would you take in the above situation?

उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं लिखना  
चाहिये।

(Candidate must not  
write on this margin)

- (a) ① विद्यालय  
② ग्रामीण  
③ राज्य सरकार  
④ विद्यार्थी  
⑤ अध्यापक एवं कर्मचारी  
⑥ बाह्य समूह  
⑦ अभिभावक  
⑧ प्रशासन

- (b) ① भावना बनाम नियम  
② स्वस्ति बनाम परहित  
③ नियम बनाम आत्मनिष्ठा  
④ सौवेदना बनाम नियम  
⑤ सहानुभूति बनाम वस्तुनिष्ठता  
⑥ शैक्षणिक नैतिकता बनाम भावना

उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं लिखना  
चाहिये।

(Candidate must not  
write on this margin)

उपरोक्त स्थिति में मैं निम्नलिखित  
कदम उठाऊँगा:

- ① पहले जाँच के आदेश दूँगा और  
वास्तविक घटना की छत तक  
पहुँचूँगा।
- ② ग्रामीण एवं अभिभावकों को  
निश्चित करूँगा कि अपराधी को  
दंड मिलेगा।
- ③ विद्यालय में सीसीटीवी कैमरे  
लगावने के निर्देश दूँगा और  
ग्रामीणों से सहयोग करने को  
कहूँगा।
- ④ बच्चों का इलाज सुनिश्चित  
करवाऊँगा व अभिभावकों  
से समन्वय एवं सहयोग करने  
को कहूँगा।

56

उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं लिखना  
चाहिये।  
(Candidate must not  
write on this margin)

⑤ लोगों से कहूँगा कि बात की तरह  
तक जाने से पहले बात को  
बिना वजह न बहारें, क्योंकि  
यह जाँच में दिक्कत उत्पन्न  
कर सकता है।

⑥ सभी ग्रामीण से प्रथमार्थ करूँगा  
कि यहाँ कोई ऐसा बाल समूह  
है या कोई घटना हुई है, जो  
उस समूह द्वारा की गई हो।

⑦ सभी ग्रामीणों को आश्वासन करके  
बच्चों का इलाज सुनिश्चित  
करवाते हुए जाँच करने के  
बाद जो भी दोषी प्राप्त  
होगा, उसके प्रति कार्यवाही  
हेतु सँजान लूँगा।

57

उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं लिखना  
चाहिये।  
(Candidate must not  
write on this margin)

VIII अगर घटना अनजाने में हुई है, तो अगली बार से बेहतर क्रियान्वयन करने को कहेंगा और कोई दूसरा रसोईया विद्यालय में उपलब्ध करवा देंगा।

उम्मीदवार को इस  
हाशिये में नहीं लिखना  
चाहिये।  
(Candidate must not  
write on this margin)

Space for Rough Work  
(रफ कार्य के लिये स्थान)



Space for Rough Work  
(रफ कार्य के लिये स्थान)